पीलीभीत, बाराबंकी और गोरखपुर में विकसित किए जाएंगे ईएसडीएम पार्क

इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने को हुआ गोल मेज सम्मेलन

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ: इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए पीलीभीत, बाराबंकी और गोरखपुर में विश्व स्तरीय इलेक्ट्रानिक्स सिस्टम डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) पार्क विकसित किए जाएंगे। इन पार्कों में इलेक्ट्रानिक्स उत्पादों के डिजाइन व निर्माण को लेकर निवेशकों को विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर युवाओं को रोजगार भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी बुधवार को होटल हयात में आयोजित गोल मेज सम्मेलन में लोगों को संबोधित करते। साथ में अवस्थापना और औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सलाहकार केवी राजू व अन्य ● सूचना विभाग

उत्तर प्रदेश को ईएसडीएम का हब बनाने के उद्देश्य से बुधवार को होटल हयात में आयोजित गोल मेज सम्मेलन में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार ने कहा कि इन पार्कों को जल्द ही विकसित किया जाएगा। यह भी कहा कि निवेशकों की सुविधा के लिए अगले माह तक निवेश मित्र 3.0 पोर्टल लांच किया जाएगा। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने वर्ष 2047 तक उप्र के लिए छह ट्रिलियन अमेरिकी डालर के विजन को साझा किया। उन्होंने इलेक्ट्रानिक्स, आइटी, मैन्युफैक्चरिंग, पर्यटन और इमर्जिंग टेक्नोलाजी में विकास को तेज करने के महत्व पर जोर दिया। कहा कि नोएडा में तैयार अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, विस्तारित एक्सप्रेसवेज नेटवर्क और दादरी में मल्टीमोडल लाजिस्टिक्स हब जैसी प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार केवी राजू ने उद्योगपतियों को आश्वस्त किया कि उप्र उन सभी उद्यमों के लिए पूरी तरह तैयार है जो राज्य में अपनी स्थापना या विस्तार करना चाहते हैं। आर्थिक विकास मिशन के नोडल अधिकारी आलोक कुमार ने कहा कि राज्य में निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार है। सरकार की प्रगतिशील नीतियों और बेहतर कानून-व्यवस्था के चलते उप्र निवेश का प्रमुख गंतव्य बन चुका है।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने कहा कि मोबाइल निर्माण में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य बन चुका है। सेमीकंडक्टर, ड्रोन तथा नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी में भी उत्तर प्रदेश की पहचान बन रही है। सम्मेलन में 30 से अधिक प्रमुख इलेक्ट्रानिक्स व अन्य कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।